



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 201] नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 10, 1982/अग्राहयण 19, 1904
No. 201] NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 10, 1982/AGRAHAYAN 19, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य संत्रालय

परिशिष्ट 1

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं० 57-आईटीसी (पी एन)/82

नई दिल्ली 10 दिसम्बर, 1982

विषय — 1982-83 के लिए 46 मिलियन येन (येन 46,000,000)
जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से भारत में पत्तनों
पर लाने के लिए आवश्यक उपस्कर आड़ियों विजयुमल और
फोटोग्राफिक उपस्कर और सेवाओं के आयात के लिए लाइसेंस
शत।

सं० आईपीसी/23(36)/82 -- 1982-83 के लिए 46 मिलियन
येन (येन 46,000,000) जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान
से भारत में पत्तनों पर लाने के लिए आवश्यक उपस्कर आड़ियों विजयु-
मल और फोटोग्राफिक उपस्कर और सेवाओं के आयात के लिए लाइसेंस
जारी करने से संबंधित जैसी शर्तें इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में
दी गई हैं, उन्हें जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है।

हस्ताक्षरित

मणि नारायणस्वामी,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

नयन राम,

संयुक्त मुख्य नियंत्रक,

आयात-निर्यात

1982-83 के लिए 46 मिलियन येन (येन 46,000,000)
जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से भारत में पत्तनों पर
लाने के लिए आवश्यक उपस्कर आड़ियों विजयुमल और फोटोग्राफिक
उपस्कर और सेवाओं के आयात के लिए लाइसेंस शर्तें।

खंड-1 सामान्य शर्तें

1(1) 1982-83 के लिए येन 46 मिलियन (सागत एच
भाडा) की जापानी अनुदान सहायता का उपयोग सांस्कृतिक साधन
एव प्रशिक्षण, नई दिल्ली के लिए केन्द्र द्वारा भारत में पत्तनों पर लाने
के लिए आवश्यक आड़ियों विजयुमल और फोटोग्राफिक उपस्कर और
सेवाओं के आयात के लिए जापानी मभरको को विनोद भुगतान के लिए
किया जाएगा।

1(2) आयातक के नाम में अधिकतम कुल येन 48 मिलियन (सागत
बीमा-भाडा) की धनराशि के लिए आयात लाइसेंस जारी किए जाने
बाहिए और इस पर '1982-83 के लिए येन 46 मिलियन जापानी
अनुदान सहायता' अभिलेख अंकित होना बाहिए। प्रथम और द्वितीय
प्रत्येक के लिए लाइसेंस कोड में एम जे एन होगा।

1(3) आयात लाइसेंस के मद्दे विदेशी मुद्रा का प्रेषण अनुमंय नहीं
होगा, किन्तु बैंक आफ इंडिया, टोकियो को जो प्रभार सामान्य बैंकिंग
प्रणाली के माध्यम से प्रेषित किए जाते हैं, वे इसमें शामिल नहीं हैं,
यदि कोई हो तो, भारतीय एजेंट के कमिशन का भुगतान, भारतीय रुपये

में किया जाता चाहिए। जिसमें ये भूतल गठन सूची जा ही एक प्रग सभसे जाएन और अतः आदेशपत्रों से वसूली किए जाएंगे।

1(4) इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत डाक्टर केवल जापान में ही अधिप्राप्त किए जाने चाहिए।

1(5) आयात लाइसेंस लागत-वीमा-राश के आधारे पर जारी किए जाएंगे, जिसकी वैधता 31-3-1983 तक होगी।

1(6) सविदा में भगता की व्यवस्था नकद आधार पर की जाएगी और आफ इंडिया टोकियो को जापानी सभसे को द्वारा लदान वस्तुओं के प्रस्तुत करने पर करनी चाहिए। वितरण की अवधि निम्न प्रकार से होगी —

“वितरण 15-3-1983 तक पूर्ण हो जाना चाहिए”।

1(7) सविदा का मूल्य (बैंक लागत एवं भाड़े के आधार पर) बैंक में (बैंक का भण्डार देना चाहिए) प्रेषित किया जाना चाहिए और यदि कोई हो तो, भारतीय अधिकांश का फर्म पर निकाल देना चाहिए। किसी भी परिस्थिति में साक्ष्य अधिकांश 15-3-1983 तक मुद्रा में प्रेषित नहीं किया जाना चाहिए। जहाँ पर्यटन निष्पन्न लागत एवं भाड़ा राशि जमा से दर्शाया जानी चाहिए किन्तु सविदा में यह स्वतः स्पष्ट होगा चाहिए कि भाड़े का भुगतान वास्तविक आधार पर किया जायेगा अर्थात् उसमें वर्गीकृत गण भाड़ा वास्तविक अर्थात् के अन्तर्गत भुगतान की राशि होगी।

1(8) कय सविदा केवल जापानी राष्ट्रवा अथवा जापानी राष्ट्रकों द्वारा नियमित जापानी व्यापिक व्यक्तियों के साथ की जानी चाहिए।

खंड 2 सभसे ठेके में निम्नलिखित प्रावधान स्पष्ट रूप से उल्लिखित होने चाहिए —

2(1) ठेके की व्यवस्था 1982-83 के लिए बैंक 46 मिलियन की अनुदान सहायता के अनुसार भारत और जापान की सरकारों के बीच 28 अगस्त, 1982 को हुए समझौते के अनुसार होनी चाहिए और दोनों सरकारों के अनुमोदन के अधीन होगी।

2(2) सभसे का भुगतान ‘भुगतान के अधिकार (ए/पी) के माध्यम से किए जाएंगे। जहाँ 1982-83 के लिए जापान अनुदान सहायता के अन्तर्गत बैंक आफ इंडिया, टोकियो के लिए सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग, एसीओसी बैंक बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001 द्वारा जारी किए जाएंगे।

2(3) जापानी सभसे ऐसी सभसे को एक वस्तुओं के लिए सभसे होगी जो एक बार भारत सरकार एवं दोनों की सरकार द्वारा अर्पणित होगी।

2(4) जापानी सभसे भारतीय वसावत, टोकियो के परामर्श पर वीत परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहायता है और इस उद्देश के लिए वह भारतीय वसावत टोकियो का शामिल मात की सुपुर्देशी के कार्यक्रम से अवगत करायेगा और पालनदात से कम से कम 15 गतान पूर्व भारतीय वसावत को सूचना देगा जिससे वह उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहाँ आयातक इच्छुक हो सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी सभसे का प्रत्येक पालनदात के पश्चात आवश्यक व्यय देने हुए तार में सूचना भेजने के लिए भुगतान होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय वसावत, टोकियो को भेज जानी चाहिए।

खंड 3 भारत और जापान की सरकारों द्वारा 31 जून अनुदान

3(1) जैसे ही आदेशों से पालन पर देश में नई लाइसेंसधारियों को दोनों पार्टियों द्वारा नियमित वसावत उद्देश के लिए प्रविष्टि जापानी

सभसे को भारतीय वसावत द्वारा दिए गए क्रम आदेश के साथ जापानी सभसे द्वारा लिखित रूप में पुष्टिकरण आदेश को बार प्रविष्टि या सभसे प्रकार के वृष्ट आयात लाइसेंस की दो फोटा प्रविष्टि के साथ अनुबद्ध 1 के प्रवर्त के (ए/पी) जारी करने के आदेशों की दो फोटा प्रविष्टि अथवा सविदा (टीए) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक नई दिल्ली को भेजनी चाहिए। उपर्युक्त प्रविष्टि सविदा की विषय-वस्तु या उसकी कमत के आवश्यक आशोधनों से उत्पन्न सभी सविदा सहायता के लिए भी लागू होंगी।

3(2) वित्त मंत्रालय (डीईए) जापान अनुदान 1982-83 के लिए 46 मिलियन गेन की जापानी अनुदान सहायता के अधीन वित्तदात देने के लिए सविदा की एक प्रति जापान सरकार को अनुमोदन के लिए भेजेगा, और इसी के साथ-साथ उपर्युक्त (1) में उल्लिखित दस्तावेजों का एक सेट सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक और भारत के वसावत, टोकियो को भी भेजेगा।

3(3) जापान सरकार से ठेका अनुमोदन प्राप्त करने के बाद वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग, जापान अनुदान, नार्थ ब्लॉक को उपायों, सूचना सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग वित्त मंत्रालय, एसीओसी बिल्डिंग, नवद गेन नई दिल्ली-110001 को देगा जो कि जापानी सभसे को भुगतान करने के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को अनुबद्ध-2 के अनुसार एक “भुगतान अधिकार-पत्र” (ए/पी) जारी करेगा। अधिकार-पत्र (ए/पी) की प्रविष्टि भारत का वसावत, टोकियो, आयातक द्वारा सहायता के बैंक और वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के जापान अनुदान का भेजी जाएगी।

3(4) भारत के लिए अधिकार-पत्र (ए/पी) की प्राप्ति के बाद बैंक आफ इंडिया, टोकियो, जापान सरकार, भारत का वसावत टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को सूचना देते हुए इस प्राप्ति की सूचना से जापान सरकार को पत्राचार कराया जा सके।

3(5) पालनदात करने के बाद जापानी सभसे आन बैंकरो के माध्यम से ए/पी में उल्लिखित दस्तावेज बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेंगे। यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को जापानी सभसे को अपने बैंक के माध्यम से रिहा करेगा।

3(6) जापानी सभसे को भुगतान की व्यवस्था करने के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो को देय बैंक भारत सरकार के लेखा का प्रभाव दिया किए बिना साधारण बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में आयातक से संबद्ध बैंक द्वारा बैंक आफ टोकियो को धन प्रेषित करके निर्णीत किया जाएगा।

खंड 4 सपना जमा करने का उत्तरदायित्व

4(1) मूल वित्तिय पीए-परिवहन दस्तावेज निम्नलिखित रूप से बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भारत में आयातक के संबद्ध बैंक को भेजे जाएंगे जो भारतीय स्टेट बैंक या किसी भी राष्ट्रीय बैंक जो अनुबद्ध-1 के (ण) में उल्लिखित है, की शाखा होगी, उस बैंक का दस्तावेजों के ये वित्तिय मेट केवल इन बातों पर सुनिश्चित कर देने के बाद ही सख्त जापानी को देने चाहिए कि जापानी सभसे का कोई भी धन धनराशि के बराबर सपना उन मामलों में जहाँ देने योग्य है ब्याज के खर्चें सहित, जापानी सभसे को भुगतान कर दिया गया है और इस धनराशि पर जापानी सभसे को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा किए गए भुगतान की विधि से वास्तविक सपना जमा करने की विधि तब की अवधि पर पहुँचे 30 दिनों के लिए 9% प्रतिवर्ष की दर से जोष अवधि के लिए 15% प्रतिवर्ष की दर से हिसाब लगाकर व्यय सार्वजनिक सूचना सं० 46-आर्कटीसी० (पी०एन०)/76 दिनांक 16-6-1976 के अनुसार सरकारी लेखों में जमा कर दिया गया है। ब्याज दोनों दिनों अर्थात् जिस दिन

जापानी संभरक को भुगतान किया जाता है, और जिन दिन सरकारी लेखों में रुपया जमा किया जाता है, के लिए देर है, देखिए मार्च सूचना सं० 103-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-76 द्वारा सशोधित सार्वजनिक सूचना सं० 74-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-1974।

येन भुगतान के सन्तुल्य रूप की गणना करने के लिए अपनाई ग मुद्रा विनिमय की दर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचना सं०-8-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 17-1-1976 में क्या निर्धारित मुद्रा विनिमय की प्रचलित भिन्न दर या सन्तुल्य-समय पर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनिमय नियंत्रण परिपत्री के माध्यम से सरकार द्वारा अधिसूचित दर होगी। इस संबंध में और व्याज की दर के संबंध में भी कोई भी परिवर्तन जैसे ही आवश्यक होगा, अधिसूचित किया जाएगा। समग्र भारतीय बैंक को इस बात का सुनिश्चय करने का दायित्व होगा कि आयातकों को आयात दस्तावेज सौंपने से पूर्व देय धनराशि सरकारी लेखों में सही रूप से जमा कर दी गई है। आयातकों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि अपने बैंकों से दस्तावेज लेने से पहले देय धनराशि सरकारी लेखों में सही रूप से जमा करा दी गई है। लेखा शीर्ष जिसमें उपर्युक्त रूप से निवेश किया जाएगा वह है "के. डिपोजिट्स एंड एडवांस-843- सिविल डिपोजिट्स—डिपोजिट्स फार परचेजिंग एटसेट्स एक्साड परचेजिंग अन्डर ग्रांट ऐंड फ्राम दि गवर्नमेंट आफ जापान" फार 1982-83 सांस्कृतिक माघन एव प्रशिक्षण नई दिल्ली के लिए केन्द्र द्वारा आठियों विद्युत्तल और फोटोग्राफिक उपकरण/सिधाओं के अर्थ के लिए सहायता।

4(2) ऊपर उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय राजस्व बैंक, नई दिल्ली, में या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में या यदि वह संभव न हो तो स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी शाखा, दिल्ली-6 (आदेशित और प्रेषिक) के नाम और उसको देय स्टेट बैंक आफ इंडिया या इसकी सहायक शाखा या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक (आदेशक) से प्राप्त डिनाड ड्रफ्ट के माध्यम से सरकार के खाते में नकद जमा कराना चाहिए। सार्वजनिक सूचना सं० 184-आईटीसी (पीएन)/68, दिनांक 30-8-1968, सं० 233-आईटीसी (पीएन)/68, दिनांक 24-10-1968 और सं० 132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-71, सं० 74-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-1974 और सं० 103-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-1976 में दृष्टव्य है।

4(3) भारत में संबद्ध बैंक भी उपर्युक्त निर्धारित बिंदु के अनुसार ऐसे अतिरिक्त निक्षेप भेजेगा और जैसे ही सेवा प्रसार के लिए सरकार द्वारा इसकी मांग की जाती है तो इस प्रकार की गई मांग के बाद सात दिनों के भीतर निक्षेप करेगा। चालान के विभिन्न काल में समग्र आयातकों/उनके बैंकों को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं० 132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-71 और सार्वजनिक सूचना सं० 103-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-1976 के साथ पढ़ी जाने वाली सार्वजनिक सूचना सं० 74-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-74 के पैरा-2 में निर्धारित सूचना चालान के "घन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण ब्यौरे" कालन में निरपवाद रूप से निहित किए गए हैं। खजाना चालान में निम्नलिखित ब्यौरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए—

(क) वित्त मंत्रालय के "ए/पी" (भुगतान के लिए प्राधिकारपत्र) की सं० एव दिनांक

(ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाने हैं।

(ग) जापानी संभरक को भुगतान की तिथि।

(घ) भुगतान किए गए व्याज की धनराशि और वह अवधि जिसके लिए इसकी गणना की गई है।

(ङ) निक्षेप की गई कुल धनराशि

(व्याज की गणना जापानी संभरक को भुगतान की तिथि से सरकारी लेखों में तुल्य रुपया जमा कराने की तिथि तक करनी है)

उनके पश्चात् सी ए ए ए द्वारा जारी किए गए ए/पी (भुगतान के लिए प्राधिकार-पत्र) का सदर्थ देते हुए और बीजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों को संलग्न करते हुए खजाना चालान, रुपया जमा करने का साक्ष्य देते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी ए ए ए को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी — भारत में आयातकों के बैंकों को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो से भुगतान की सूचना और विनिमय पोत परिवहन दस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर रुपया निरपवाद रूप से जमा कर दिया गया है और यह कि इसके तुरन्त बाद इसकी सूचना सी ए ए ए वित्त मंत्रालय, (आर्थिक कार्य विभाग) नई दिल्ली को दे दी गई है।

4(4) भारत में संबद्ध भारतीय बैंक को वाइसेस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति पर रुपया निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित 'एस' प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक आफ इंडिया, बम्बई को भेजना चाहिए।

खंड-5 विविध व्यवस्थाएँ

5(1) अनुदान महायन्त्र के उपयोग पर रिपोर्ट —

आयातकों को पोलिश और उसके अधीन किए गए भुगतान और शेष धनराशि के बारे में ए/पी जारी हो जाने के पश्चात् एक मासिक रिपोर्ट महायन्त्र लेखा एव लेखा परीक्षा नियंत्रण, आर्थिक कार्य विभाग, यू सी ओ बैंक बिल्डिंग, ससद मार्ग, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

5(2) आयातकों को इस अनुदान सहायता के अधीन सबों के आयात के संबंध में उन विशेष प्रावधानों से संभरक को अवगत करा देना चाहिए जो माल के नेग-वेन में संभरक पर प्रभाव डालती हैं।

5(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि आयातकों और संभरकों के बीच यदि कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार को उल्लेखनीय नहीं लेनी। बैंक आफ इंडिया, टोकियो, द्वारा भुगतान से पहले संभरक द्वारा पूरी की जानी वाली शर्तें आयातकों द्वारा अनुबंध-1 में "भुगतान की शर्तों" के अन्तर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट करनी चाहिए। सविधा की शर्तों में विवाद निपटाने से संबंधित व्यवस्थाएँ शामिल होनी चाहिए।

5(4) अविष्य अनुदेशः

जापान से 1982-83 के लिए अनुदान सहायता के अधीन आयातों से उत्पन्न या उनके संबंध में उठ खड़े होने वाले किसी भी मामले या सभी मामलों के संबंध में सन्तुल्य-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी किए गए निर्देशों अनुदेशों या आदेशों और सभी दायित्वों को आयातकों को तुरन्त पूरा करना चाहिए।

5(5) अतिक्रमण या उत्सर्जन

उपर्युक्त अनुच्छेदों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उत्सर्जन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

5(6) अनुबंधों की सूची

अनुबंध-1 ए/वी. ज. री. करने के लिए प्रावर्तना-पत्र
अनुबंध-2 ए/वी. का प्रपत्र

"भुगतान के लिए प्राधिकार-पत्र जारी करने के लिए प्रावर्तना पत्र"

सं०

सेवा में,

महायता लेखा एवं लेखा परीक्षा निदेशक,
वित्त मंत्रालय,
आर्थिक कार्य विभाग,
पुंसी० भों० बैंक, बिल्डिंग, प्रथम मजिल,
समय मार्ग नई दिल्ली- 110001।

विषय-- 1982-83 के लिए येन 16 मिलियन की जापान अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से भारत में परतनों पर जाने के लिए आवश्यक उपस्कर आधियो विजयुधल और कोटोपाफिक उपस्कर और सेवाओं का आयात।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से उपर्युक्त उपस्कर के आयात के संबंध में हम आपको निम्नलिखित ध्याना भेजते हैं जिससे कि आप सबका जापानी सभरक के पत्र में बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) जारी कर सकें --

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता
- (ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह तिथि जब तक वह वैध है।
- (ग) अधिप्राप्ति के तरीके-क्या यह प्रत्यक्ष खरीद पर आधारित है या सीमित खुली निविदा पर आधारित है। इस मामले में कारणों सहित यह निर्दिष्ट करना है कि क्या निविदा का निर्णय उपर्युक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।
- (घ) माल का सक्षिप्त विवरण।
- (ङ) माल का उद्गम देश।
- (च) सविदा का कुल लागत और भाड़ा मूल्य (येन में)
- (छ) यदि कोई हो तो, भारतीय रुपए में भारतीय एमेट के कमीशन को धनराशि (येन में)
- (ज) वह कुल लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए भुग के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है।
- (झ) जापानी सभरक के साथ की गई सविदा का नाम और दिनांक।
- (ञ) जापानी सभरक का नाम और पता।
- (ट) वे भुगतान और सभाविता निधि जिनको सविदाओं के अन्तर्गत भुगतान देय होंगे।
- (ठ) माल की सुदुर्गी पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि।
- (ड) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निस्टान दर्शाते हुए)
- (द) पोतलवान अनुदेश (अनुमेष या गैर अनुमेष बहुलान्तरण आंशिक पोतलवान निर्दिष्ट कीजिए)
- (ण) आग में भारत के बैंक का नाम और पता।

भवदीय,

सं० एक०

भारत सरकार
वाणिज्य मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया

टोकियो शाखा

टोकियो (जापान)

विषय -- 1982-83 के लिए येन 16 मिलियन की जापान अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से भारत में परतनों पर जाने के लिए आवश्यक उपस्कर आधियो विजयुधल और कोटोपाफिक उपस्कर और सेवाओं का आयात भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद् द्वारा परिशिष्ट में दिए गए ध्या सलान ध्यारे के अनुसार सर्व ध्या-को येन धनराशि के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2 कृपया भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की पावती के अन्तर्गत सभरको को सूचना दे और हमको प्रत्येक सूचना पत्र की एक प्रति जापान सरकार, आयातक बैंक, भारत को राजदूतावास, टोकियो और इस मंत्रालय को पृष्ठान्त की जाए।

3 भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार भुगतान परिशिष्ट में ध्यासकैतित लवान वस्तुधेशों के आधार पर किया जाएगा।

4 आयातक द्वारा आपको दस्तावेज सभरको एव बैंकरो के प्रभार को भेजने आदि के लिए भाड़े सहित भदा किए जाने वाले बैंकिंग भाड़े आयातक के बैंक द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जायेंगे।

5 जैसे ही जापानी सभरक द्वारा प्रस्तुत किए गए लवान दस्तावेज आदि के आधार पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में हम मंत्रालय और आयातक के बैंक को भेजी जानी चाहिए।

6 इस मंत्रालय की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र के लिए कोई भी सशोधन जारी नहीं किया जा सकता है।

7 यह भुगतान प्राधिकार पत्र तक वैध रहेगा।

भवदीय,

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित --

1 आयातक को उनके पत्र सं०
दिनांक के संबंध में।

2 आयातक का बैंक उनके निवेदन किया जाता है कि भारतीय बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा से दस्तावेज प्राप्त करने पर जापानी सभरको को येन भुगतान के बराबर ध्या जना करने की व्यवस्था करे। सभरको को भुक्तानी गई धनराशि के बराबर रुपए की गणना मार्चजितक सूचना सं०-8-आईटीसी (पी/एन/76, दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी किए जाएं, के अनुसार विदेशी सभरको को भुगतान करने की तिथि का ध्या प्रयोजित परि-

वर्तन की मिश्रित दर पर की जाएगी। विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि से भारतीय बैंक को प्रयादगी करने की तिथि तक सरकार के लेखे से तुल्य खपया जमा करने की अवधि के लिए मार्बजतिक सूचना सं० 140-आईटीसी(पीएन)/76 दिनांक 16-6-1976 के अनुसार पहले 30 दिनों के लिए 9 प्रतिशत वार्षिक दर पर और इससे अधिक की गणना की गई अवधि के लिए 15 प्रतिशत की दर से ब्याज भी सरकारी लेखे में जमा करना होगा। ब्याज दोनों बिन्दु के लिए देय होगा, अर्थात् वह तिथि जिससे विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और वह तिथि भी जिस दिन सरकारी लेखे में खपया निज़र किया जाता है। (यदि इस दर में कोई परिवर्तन होगा तो इसकी सूचना तुरन्त दी जाएगी)। यह मुनिम्बद कर लेना चाहिए कि अयातक को सीना शुल्क निर्याती के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा कराई जाती है।

ये धनराशियां या तो रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में जमा करनी चाहिए या स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा या इसकी अनुपंगी संस्थाओं या किसी भी राष्ट्रीय-कृत बैंक से उनके द्वारा प्राप्त की गई स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी शाखा, दिल्ली-6 (आदेशित और आबाध) के नाम में और उसी बैंक दर्शनी दुष्णी के माध्यम से करनी चाहिए। इस संबंध में आपका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं० 233 आईटीसी(पीएन)/68, दिनांक 24-10-68, सं० 132-आईटीसी(पीएन)/71, दिनांक 5-10-71, सं० 74 आईटीसी(पीएन)/74, दिनांक 31-5-74 और सं० 103 आईटीसी(पीएन)/76, दिनांक 12-10-76 की शर्तों की ओर दिवाया जाता है। लेखा शीर्ष जिसमें धनराशि जमा की जायेगी वह 'के डिपोजिट्स एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन 843-मिलियन डिपोजिट्स जिटस फार परफेजिम एटसेक्ट्रा एमा परफेजिम ग्रांड ऐंड फाम दि गवर्नमेन्ट आफ जापान फार 1982-83 और विस्तृत लेखा शीर्षक 'सांस्कृतिक साधन एवं प्रतिभा, नई दिल्ली के लिए केन्द्र द्वारा प्राडियो विजुअल स और फोटोग्राफिक उपस्कर/सेवाओं के क्रय के लिए येन 41 मिलियन अनुदान सहायता'।

जिन मामलों में तुल्य खपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी में मार्बजतिक सूचना सं० 132 आईटीसी(पीएन)/71, दिनांक 5-10-71 के अनुसार नकद जमा किया जाता है उनमें आयात की मूल रूप से एक प्रतिनिधि बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देने हुए प्रेषण पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पत्र पर भेजा जाएगा :-

वित्त मंत्रालय, (आर्थिक कार्य विभाग)

पहली मंजिल, यू सी ओ बैंक बिल्डिंग,

संसद मार्ग, नई दिल्ली 110001

जिस मामले में तुल्य खपया ऊपर संकेतित मार्बजतिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी दुष्णी द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचना उपर्युक्त पत्र पर भेजा जाना चाहिए। सभी मामलों में ब्याज की चुकाई गई धनराशि और जिस अवधि के लिए ब्याज की गणना की गई है और उसके साथ जमा किए गए तुल्य खपया का पूरा व्यौरा इस विभाग को भेजना चाहिए।

समुद्रपार संभरक के बैंक के खर्चों सहित यदि कोई हो तो, बैंकिंग खर्च और बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा के अन्य खर्च इंडियन बैंक और बैंक आफ इंडिया, टोकियो शाखा द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

4 भारतीय नृतावास, टोकियो।

5 अवर डिविज (टी ए) शाखा, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।
लेखा अधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE IMPORT TRADE CONTROL

Public Notice No. 57-ITC(PN)/82

New Delhi, the 10th December 1982

Subject : Licensing conditions for import of Audio-Visual and Photographic equipment and services necessary for the transportation of the equipment to Ports in India from Japan under Japanese Grant Aid for 1982-83 of Yen 46 Million (Yen 46,000,000).

File No. IPC/23/(36)/82.—The terms and conditions governing the issue of import licence for import of Audio-Visual and Photographic equipment and services necessary for the transportation of the equipment to Ports in India from Japan under Japanese Grant Aid for 1982-83 of Yen 46 Million (Yen 46,000,000) as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

MANI NARAYANSWAMI, Chief Controller of Import & Exports

APPENDIX

Licensing Conditions for import of Audio-Visual and Photographic equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid for 1982-83 of Yen 46 Million (Yen 46,000,000)

Section I General Conditions

I (i) The Japanese Grant Aid for 1982-83 of Yen 46 million (C&F) is intended to be used for financing payments to Japanese Suppliers for import of audio visual and photographic equipment and services necessary for the transportation thereof to ports in India, by the Centre for Cultural Resources and Training, New Delhi.

I (ii) The import licence should be issued for an aggregate amount not exceeding Yen 48 Million (CIF) in favour of the importer, and should bear the superscription "Yen 46 Million Japanese Grant Aid for 1982-83". The licence code for the first and second suffix will be "SJN".

I (iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, except bank charges to the Bank of India, Tokyo which may be remitted through normal banking channels. Payment towards Indian Agent's Commission, if any, should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (iv) The equipment should be procured only from Japan under this Grant Aid.

I (v) The import licence will be issued on CIF basis with validity upto 31-3-1983.

I (vi) The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows :—

“delivery to be completed by 15-3-1983”.

I (vii) The contract value (C&F basis only) should be expressed in Yen (fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's Commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency. The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

I (viii) The purchase contract should be entered into only with the Japanese nationals or Japanese juridical persons controlled by Japanese nationals.

Section II The following provision should be specifically incorporated in the supply - contract :—

II (i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 28th August, 1982 between the Governments of India and Japan concerning the Grant Aid of Yen 46 million for 1982-83 and will be subject to the approval of both the Governments.

II (ii) Payments to the suppliers shall be made through an 'Authorization to Pay (A/P)' which will be issued by the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1982-83.

II (ii) The Japanese supplier agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

II (iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send

a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section III Contract Approval by Governments of India and Japan :—

III (i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (TA), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi 4 copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the "Request for issue of A/P" in the form at annex-I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its price.

III (ii) The Ministry of Finance (DEA) Japan Section will arrange to send one copy of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1982-83 of Yen 46 million, and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India in Tokyo simultaneously.

III (iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the Japan Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 of the same who will issue an 'Authorisation to Pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form at Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the Importer, importer's Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

III (iv) On receipt of the Authorisation to Pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India and the CAA&A.

III (v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents specified in the A/P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through this bankers.

III (vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the

Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittances to the BOI, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

Section IV Responsibility for rupee deposit :—

IV (i) The original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (c) in Annexure-I who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges thereon calculated at the rate of 9 per cent per annum for the first thirty days and the 15 per cent for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese Supplier to, the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 46-ITC (PN)/76 dated 16-6-76. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposit, is made in to Government account vide Public Notice No. 74-ITC (PN)/74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC (PN)/76 dated 12-10-1976. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen Payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No. 8-ITC (PN)/76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "C. Deposits and Advances-843-Civil Deposits-Deposits for purchases etc., abroad-purchase under Grant Aid from the Government of Japan" for 1982-83 Grant for purchases of the Audio-Visual and Photographic equipment/services by the Centre for Cultural Resources and Training, New Delhi.

IV (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India New Delhi or State Bank of India Tis Hazari Delhi, or if this is not possible should be remitted by

means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and Payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notices No. 184-ITC (PN)/68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC (PN)/68 dated 24-10-1968 and No. 132-ITC (PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC (PN)/76 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC (PN)/76 dated 12-10-76.

IV (iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the Importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC (PN)/71 dated 5-10-1971 and also in Public Notice No. 74-ITC (PN)/74 dated 31-5-1974 read with Public Notice No. 103-ITC (PN)/76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :

- (a) Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to Pay) No. and date.
- (b) Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the Japanese supplier.
- (d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- (e) Total amount deposited.

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government's Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DFA),

New Delhi is informed immediately thereafter.

IV (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section V : Miscellaneous provisions :—

V (i) Reports on the utilisation of the Grant Aid .—The importer should send a monthly report after the A/P has been issued regarding shipments and payments made thereagainst and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

V (ii) The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of goods under this Grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

V (iii) Disputes .—It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any, that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of Payment". Provision dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

V (iv) Future Instructions .—The importer shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1982-83 from Japan.

V (v) Breach or violation :—Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

V (vi) List of Annexures :—

Annexure I :—Request for issue of A/P

Annexure II :—Form of A/P

"REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORIZATION TO PAY"

No.

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street, New Delhi-110001.

Subject :—Import of audio-visual and photographic equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under the Japanese Grant aid of Yen 46 million for 1982-83.

Sir,

In connection with the import of above mentioned equipment from Japan under the above mentioned Grant Aid, we furnish the following particulars to enable you to issue the A/P to the Bank of India, Tokyo in favour of the Japanese Supplier concerned :—

- (a) Name and address of Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F value of contract (in Yen)
- (g) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any, payable in Indian rupees.
- (h) Net C&F Value (in Yen) for which the A/P is required.
- (i) Name and date of the contract with Japanese Suppliers.
- (j) Name and Address of the Japanese Supplier.
- (k) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion of deliveries.
- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (n) Shipment instructions (indicate if transhipment/partshipment permitted or not permitted).
- (o) Name and Address of the Importer's bank in India.

Yours faithfully,

No. F.
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)
New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan).

Subject :—Import of audio-visual and photographic equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid of Yen 46 million for 1982-83. Issue of Authorisation to pay.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen to M/s. as per details given in the appendix.

2. Please advise the Supplier of the fact of receipt of this Authorisation to Pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importers Bank Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in terms of the A/P will be made on the basis of shipping documents as indicated in the Appendix.

4. Banking charges including charges for handling documents and charges of Overseas Supplier's Bankers, if any, payable to you by the importer, will be settled directly by the importer's bank.

5. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier, an advice in the prescribed form should be set to this Ministry and the importer's bank.

6. No amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific authority from this Ministry.

7. This A/P will remain valid upto.....

Yours faithfully,

Accounts Officer.

Copy forwarded to :—

1. Importer..... with reference to their letter No..... dated.....

1069 GI/82—2

2. Importer's Banker..... They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC (PN)/76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 9 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 15 per cent per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government account, is required to be deposited into the Government of India account in terms of Public Notices No. 46-ITC (PN)/76 dated 16-6-1976. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese Supplier and also the date on which rupee deposit is made into Government account. (Any change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi or the S.B.I., Tis Hazari, Delhi or remitted by means of a Demand Draft obtained by them from any Branch of the S.B.I. or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I., Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and Payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 233-ITC (PN)/68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC (PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC (PN)/74 dated 31-5-74 and 103-ITC (PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is 'K-Deposits & Advances-843-CIVIL Deposits-Deposit for purchases etc. abroad Purchase under Grant Aid from Government of Japan for 1982-83 under detailed head' 46 million grant aid for purchase of the audio-visual and photographic equipment services by the Centre for Cultural Resources and Training, New Delhi.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC (PN)/71 dated 5-10-1971 should be sent by them to the address given below along with a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance (Department of Economic

Affairs), 1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-I.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the Bank of India, Tokyo Branch.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary (TA) Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer